कोविड -19 महामारी में रोगियों और प्रैक्टिस का प्रबंधन: भारत से अंतर्दृष्टि

डॉ मंगेश तिवसकर
सलाहकार, शिल्पा मेडिकल रिसर्च
मुंबई, भारत

touch INFECTIOUS DISEASES

अस्वीकरण

- *अस्वीकृत उत्पादों या स्वीकृत उत्पादों के अस्वीकृत उपयोगों पर फैकल्टी द्वारा चर्चा की जा सकती है; ये स्थितियां एक या अधिक अधिकार क्षेत्रो में स्वीकृति की स्थिति को दर्शा सकती हैं*
- *प्रस्तुत करने वाले फैकल्टी को touchIME द्वारा सलाह दी गई है कि वे यह सुनिश्चित करें कि वे लेबल रहित या अस्वीकृत उपयोग के लिए किए गए ऐसे किसी भी संदर्भ का खुलासा करें*
- *touchIME द्वारा किसी भी अस्वीकृत उत्पादों या अस्वीकृत उपयोगों का कोई समर्थन या तो इन उत्पादों के उल्लेख द्वारा या touchIME गतिविधियों में उपयोगों द्वारा निहित नहीं है।*
- *touchIME त्रुटियों या चूक के लिए कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं करता है*

touch INFECTIOUS DISEASES

भारत में कोविड -19 महामारी की चुनौतियां

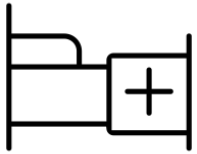

अस्पताल में बेड की कमी

चिकित्सा सुविधाओं का अभाव

कोविड -19 महामारी के दौरान चुनौतियां

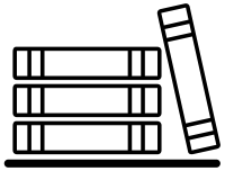

शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा प्रदाता लोगों की कमी

समाज में भय – अस्पताल और घरेलू स्तर पर प्रबंधन की आवश्यकता

निष्कर्ष: भविष्य में महामारियों के लिए बेहतर तरीके से तैयार रहने की जरूरत है

touch INFECTIOUS DISEASES

भविष्य के लिए सीख

हमने क्या सीखा है

- **भविष्य में बेहतर तैयारी की जरूरत**
- हेल्थकेयर सिस्टम में सुधार की जरूरत
- विशेष रूप से सबसे गरीब और सबसे दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा की पहुंच में सुधार की आवश्यकता।

क्या अच्छा किया है

- सरकारी और निजी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं से पैरामेडिक्स और अस्पताल के कर्मचारियों के प्रति प्रतिबद्धता और समर्पण
- महामारी पर नियंत्रण हासिल कर लिया गया है, खासकर दूसरी लहर में
- अंतत: सफलता मिली

touch INFECTIOUS DISEASES